कृषि निदेशालय, बिहार, पटना
मिट्टी जाँच प्रयोगशाला, बिहार, पटना

(148)

पत्र सं0 –NMSA/को०–16/2015-395- कृ0, पटना, दिनांक 24 मार्च 2016

प्रेषक,

बी० कार्तिकेय,
कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

सेवा में,

जिला कृषि पदाधिकारी (सभी)
सहायक निदेशक (रसायन)
जिला मिट्टी जाँच प्रयोगशाला (सभी)

विषय :– महाविद्यालय के छात्रों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना में जोड़ने संबंधी दिशा–निर्देश के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना में जिलान्तर्गत आने वाले विज्ञान महाविद्यालय/कृषि/उद्यान महाविद्यालय के इच्छुक छात्रों से इस कार्य में सहयोग प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश आवश्यक कार्यार्थ इस पत्र के साथ संलग्न कर भेजा जा रहा है।

अतः अनुरोध है कि दिशा–निर्देशों के अनुरूप मृदा स्वास्थ्य जाँच कार्य में रूचि रखने वाले विज्ञान महाविद्यालय/कृषि/उद्यान महाविद्यालय के छात्रों को चिन्हित किया जाए।

अनुलग्नक :– दिशा–निर्देश।

विश्वासभाजन,

कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

ज्ञापांक– 395 /पटना दिनांक 24 मार्च 2016

प्रतिलिपि :– सभी प्रमंडलीय संयुक्त निदेशक (शष्य) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

कृषि निदेशक, बिहार, पटना।

(147)

प्रारूप

मिट्टी जाँच कार्यक्रम में छात्रों एवं महाविद्यालयों को जोड़ने के संबंध में दिशा निर्देश

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना अंतर्गत राज्य में तीन वर्षों में कुल 1452373 मिट्टी नमूना संग्रहण कर जाँच किये जाने एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है। इस प्रकार प्रत्येक वर्ष कुल 484125 नमूना संग्रहण एवं जाँच का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। किन्तु भारत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि तीन वर्ष के लक्ष्य को दो वर्ष में ही पूर्ण किया जाय। इस कारण वर्ष 2016–17 में आगामी दो वर्षों के लक्ष्य के अनुरूप नमूना संग्रहण एवं जाँच कार्य संपन्न किया जाना है।

मृदा नमूना करण के मानक के अनुसार :–

i. सिंचित क्षेत्र के लिए 2.5 हे० ग्रीड से एवं

ii. वर्षा आश्रित क्षेत्र के लिए 10.00 हे० ग्रीड से एक नमूना लिया जाना है।

वर्ष 2016–17 हेतु मिट्टी नमूना का लक्ष्य 7.91 लाख है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु यह आवश्यक है कि राज्य सरकार के सभी जिलों में उपलब्ध प्रयोगशाला के अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र, निजी क्षेत्र में संचालित प्रयोगशाला, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रयोगशाला के अतिरिक्त रसायनशास्त्र में स्नातक पाठ्यक्रम वाले महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के मानव संसाधन एवं प्रयोगशालाओं का महत्तम उपयोग किया जाय। इस हेतु दिशा निर्देश निम्नवत है :–

1. सभी जिले में कृषि/रसायन विज्ञान के योग्य प्रयोगशाला एवं मानव बल को चिन्हित करने एवं उनसे मृदा जाँच कार्य के विभिन्न अवयवों में कार्य कराया जा सकता है। जिसका ब्यौरा वित्तीय प्रावधानों के साथ निम्नवत है :–

क्रम सं०	कार्य	निर्धारित दर/मानदेय
1	ग्रीड के अनुसार मिट्टी नमूना संग्रहण	₹ 10/नमूना
2	मिट्टी नमूना जाँच पर व्यय–प्रति पारामीटर 6.25 रुपये प्रति नमूना (pH, EC, OC, N, P_2O_5, K_2O, Zn, Cu, Mn, Fe)	₹ 6.25 x 12 = 75/-
3	मिट्टी नमूना जाँच हेतु मानदेय (₹ 18/नमूना)	₹ 18/नमूना (दो विश्लेषकों में प्रति विश्लेषक ₹ 9/–)
4	स्वास्थ्य कार्ड निर्माण	₹ 5/कार्ड
5	पारा–2 में अंकित सभी पारा मीटर पर संपूर्ण कार्य (संग्रहण से लेकर कार्ड वितरण तक)	₹ 190/नमूना

2. राज्य सरकार द्वारा मिट्टी नमूना संग्रहण, मिट्टी नमूनों की जाँच, मृदा स्वास्थ्य कार्ड निर्माण एवं वितरण के कार्य में अलग–अलग घटक अथवा एक मुश्त सभी कार्यो में सहयोग प्राप्त करने हेतु संबंधित संस्था के साथ एकरारनामा तैयार किया जायगा। कार्य प्रकृति के अनुसार मिट्टी जाँच प्रयोगशाला के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी के माध्यम से संबंधित को राशि उपलब्ध कराई जायगी।
3. इस कार्य के लिए चिन्हित प्रयोगशाला, महाविद्यालयों को उनकी क्षमता एवं कार्य क्षेत्र के अनुसार ग्राम/पंचायत/प्रखंड/अनुमंडल क्षेत्रवार कार्य क्षेत्र निर्धारण किया जा सकता है।
4. विज्ञान महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों (सामान्य/कृषि/उद्यान) में मिट्टी जाँच प्रयोगशाला स्थापना हेतु प्रस्ताव प्राप्त होने पर मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यक्रम अंतर्गत आवंटन हेतु विचार किया जा सकता है।
5. छात्रों से मिट्टी नमूना संग्रहण, मिट्टी जाँच कराने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड निर्माण का कार्य उनके नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कराया जा सकता है।
6. उपरोक्त कार्यो में कृषि, उद्यान एवं विज्ञान (रसायन) के छात्रों को "Earn while you learn" के तर्ज पर इस कार्यक्रम महाविद्यालयों के अतिरिक्त जिला स्तर पर भी शामिल किया जा सकता है। छात्र अध्ययन के पश्चात्, सप्ताहांत, अन्य अवकाश के दिनों में कार्य लिया जा सकता है।
7. इस कार्य हेतु ईच्छुक छात्रों में चयनित छात्रों के मिट्टी जाँच कार्य में प्रशिक्षण दिलवा कर प्रयोगशाला में भी कार्य लिया जा सकता है।